

NOPANY INSTITUTE OF HEALTHCARE STUDIES CELEBRATES WORLD PHYSIOTHERAPY DAY

8TH SEPTEMBER 2019

Kolkata, India

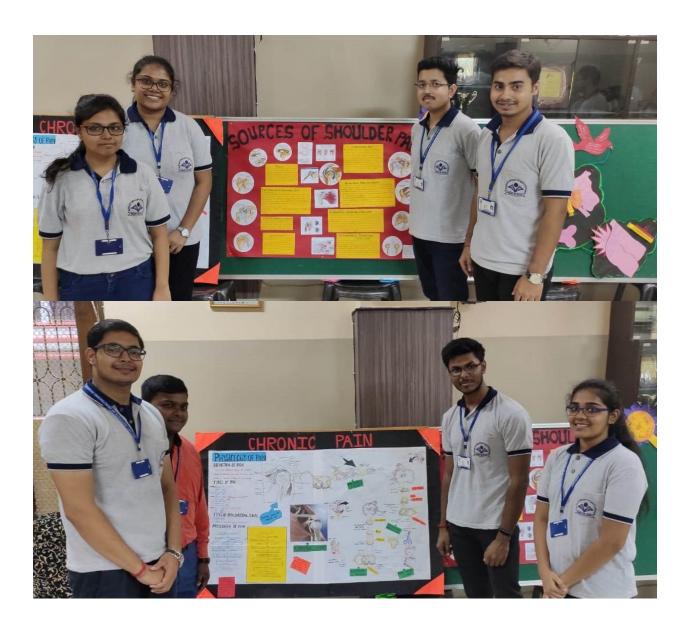
The campaign message of World Physical Therapy Day 2019 was 'Chronic Pain' and as a ritual like previous years, Nopany Institute of Healthcare Studies (NIHS) adopted the theme of the WCPT to celebrate World Physical Therapy Day. The day marks the unity and solidarity of the Global Physiotherapy community. It provides a platform to recognise the work that Physiotherapists do for their patients and community.

This year the World Physical Therapy Day 2019 celebration took place in two phases. The first phase was Poster competition among the students of NIHS with the theme topic 'Chronic Pain' and the second phase was Physiotherapy awareness campaign in community on Chronic Pain.

8th September provided us an opportunity to educate ourselves and interact with each other to share our views about chronic pain.

PHASE 1- POSTER MAKING AND PRESENTATION

Some undergraduate physiotherapy students enthusiastically participated in a poster competition. The students represented their house and topics were different regions of the body; Cervical spine/ neck pain; Low back pain, Knee pain and shoulder pain. The posters were hand painted mainly and described the physiology of pain, causes and sources of chronic pain and management of chronic pain. 64 students participated and put up 16 posters, 4 per group. They presented their posters and it was a commendable group effort. Students were judged based on their concept, knowledge, display and presentation and ability to handle questions.



NIHS students displaying their posters on World Physical Therapy Day 2019





NIHS students during poster presentation competition on the theme topic- Chronic Pain on World Physical Therapy Day 2019.

Keeping in mind our service towards the community, NIHS team conducted a physiotherapy campaign to make the patients aware on the role of physiotherapy in chronic pain and how they can lead a pain free life. To educate people and spread awareness on chronic pain we distributed the flyers and campaign materials which were shared by the WCPT. We also translated the posters in two vernacular languages- Bengali and Hindi Version so that the local people can read and understand clearly the message that we are trying to spread.

PHASE 2- AWARENESS IN COMMUNITY ABOUT ROLE OF PHYSIO IN CHRONIC PAIN

80 undergraduate and post-graduate physiotherapy students and faculty members participated in the event. Two teams were created. One team of 40 physiotherapy students and faculty members conducted a home to home campaign. This team reached the community where people were unaware on the role physiotherapy in pain management. We visited round 50-60 families in Ward no 24, and Ward no 26 in Girish Park area, North Kolkata, West Bengal and found that in most of homes, one or the other family members suffered from a painful conditions like Lumbar Spondylosis, loss of movement due to Adhesive Capsulitis, Osteoarthritis Knee, Ankylosing Spondylitis, Cervical spondylosis, etc, but had ignored the pain due to the influence of myths and disbelieves. We spoke to each patient and found some patients had been ignoring their suffering as they believed that surgery was their last resort.



NIHS team at awareness campaign at ward no 24 and ward no 26, Girish Park, Kolkata on World Physical Therapy Day 2019

The second team set up a camp at North Kolkata Ananda Bashar Club located in Beadon Street, Kolkata, West Bengal. One of the patients who visited our campaign site had been suffering from chronic low back pain with radiation to his left legand could walk with difficulty. He was a young boy in his early twenties, doing a front desk job and had not paid any heed to his condition as he understood that there was no real cure for his condition and now. We did a preliminary examination and discovered he has a Lumbar Disc Prolapse, so we had advised him to undergo physiotherapy treatment. Our motto was to break the myths about chronic pain, educate people about the control measures and explain the benefits of exercise for chronic pain. Flyers were distributed to around 500 people and those who suffered from chronic pain were advised to visit Nopany Physiotherapy Clinic for a detailed assessment and physiotherapy treatment which would be provided to them free of cost for 10 sessions as a part of the campaign.

We concluded the program with a positive feeling that we could spread the message on the role of Physiotherapy in combating challenges of chronic pain and provide effective methods in control of their conditions, increase their activity levels and improve their quality of life.



NIHS team at awareness campaign at at North Kolkata Ananda Bashar Club, Beadon Street, Kolkata on World Physical Therapy Day 2019



NIHS team on World Physical Therapy Day 2019

shared by WCl NIHS team for		

पुराना दर्द से जुड़ी कुछ भूल जानकारीयाँ



एक स्कैन मुझे मेरे दर्द के जानकारी देगा

भूल

भले ही एक्सरे, सी.टी या एम.आर.आई स्कैन मेरे दर्द का कारण जानने में मददगार सावित हो सकता है, लेकिन डिस्कपतन, गठ्या और दरार यह वीमारियाँ सामान्य मनुष्य में विना दर्द के भी रह सकता है।

मुझे आराम

करना चाहिए

भूल

वापस चलना और काम करना

जरुरी है या न की एक जगह

पे पडे रहना।



अगर दर्द है तो मुझे नुकशान पंहुचा रही हैं

Ho.

ना पीठ दर्द में झुकने और उठने में दर्द होता है, पर निजी जीवन । में झुकना, उठना और , यह चलना जरूरी है।

झुकने और उठाने की

वजह से कमर दर्द और भी बुरा हो सकता है

दर्द के स्तर का अनुभव होना अक्सर घोट के बारे में गलत जानकारी देता हैं। अगर गतिबिंब दर्दनाक हो, वह कोई चोट का सही संकेत नहीं हैं एक फिजियो थेरेपिस्ट मदद करता है आपको सही तरीके से चलने में।



शक्तिशाली दर्द के दवा, मेरे दर्द को कम कर देता है भूल

शिक्तशाली दर्द के दवा दर्द को कुछ समय के लिये कम कर सकता हैं लेकिन वाद में वह शरीर के लिये नुकसानदायक सावित हो सकता हैं।



शल्यचिकित्सा ही मेरी आखरी उम्मीद है सुधार के लिए। भूल

शल्यविकित्सा की प्रकिया कमर दर्द में वहोत कम भूमिका रखता है। अगर है तो कमर दर्द में १ से ५% ही मदद करता हैं।



मेरा दर्द और सीमित कार्य का अर्थ है, मैं कुछ नहीं कर सकता हुँ भूल

जो लोग दर्द से पीड़ित है, उन लोग के फिजियोथेरेपिस्ट एक मदतगार होता है। फिजिकल थेरेपी विकित्सा है जो लोगों के दर्द को कम करने में मदत करता है।

एक्सरसाइज थेरेपी ऐसा चिकित्सा है जो पुराने दर्द को कम करने में मदत करता है। और ज्यादा जानने के लिए अपने फिजिकल चिकित्सक से पूछें।





World Confederation for Physical Therapy

www.wcpt.org

দীর্যস্থায়ী ব্যাথা—কাল্পনিক চিন্তাধারা



একটি স্ক্যান আমার রোগ নির্ণয় করতে সক্ষম...

ষিথ্যা

ডিস্ক অবক্ষয়, বাত, ডিস্ক-বাল্জ,
ফিসার্স প্রভৃতি ক্ষেত্রে এগুলি
খুবই সাধারণ এবং এটিই
আপনার ব্যাথার একমাত্র কারণ নয়।
যদিও একটি এক্সত্রে, সিটি অথবা
এম.আর.আই স্ক্যান রোগ
নির্ণায়ে করে।



खामि खात् ३ तहाचा वाजान्हि. समि अट्टी वहाचा करव...

মিখ্যা

ব্যাথার অনুভবের মাত্রা প্রায়শই
আথাত ও কলাতত্ত্বের ক্ষতির
উপর নির্ভর করে না। কোনো
বেদনাদায়ক ক্রিয়াকলাপ ও
সবসময় ক্ষতিকারক নাও হতে পারে
একজন ফিজিওথেরাপিউ-ই আপনাকে
সাহায্য করতে পারে একটি কার্যকরী
কর্মসূচী গড়ে দিতে।



নিচু হয়ে কান্স করনে এবং ন্দিনিস উঠালে আমার পিঠের ব্যাখা আরো বেড়ে যায়...

ষিখ্যা

নিচু হলে অথবা জিনিস ওঠালে ব্যাথা বাড়তে পারে সেক্ষেত্রে তার শারীরিক সক্রিম্মতা বৃদ্ধি করা এবং শক্তিক্ষয় বাড়ানোই জরুরী।ভারী ওজনের সঙ্গে প্রশিক্ষন সহ অনেক ধরনের ব্যায়াম এক্ষেত্রে উপভারী হতে পারে।



আমার বিছানার থেকে বিশ্রাম নেওয়া উচিত...

सिथऽा

সারাক্ষন বিছানায় থেকে বিশ্রাম নেওয়ার থেকে চলাফেরা করা এবং কার্যকলাপ করা অনেক বেশী কার্যকরী। অচল অবস্থায় বিছানায় বিশ্রাম (২ দিনের বেশী) কখনোই উপকারী নয়।



ব্যাথার গুষুধেই (Opiods, Pain Killers) আমার ব্যাথা কমিয়ে দেবে....

सिथऽा

শারীরিক সমস্যা কমানোয় ব্যাথার ওষুধেই যথার্থ সমাধান নয় বরং বিপদজ্জনক এবং প্রতিবন্ধকতাও সৃষ্টি করতে পারে।



অস্ত্রোপ্রচারই আমার একমাত্র প্রগতির উপায়...

सिथऽा

শুধুমাত্র ২-৫ শতাংশ কোমর ব্যাথা একটি গন্তীর রোগ অথবা আঘাতের ফলে হতে পারে। সূতরাং অস্ত্রোপ্রচার করেপেও কোমর ব্যাথা সেরে যাওয়ার সুযোগ সীমিত।



আমার ব্যাবা এবং সীধিত কাজকর্ম করার ক্ষমতা নির্দেশ করে আমি হয়তো কিছুই করতে পারবো না... মিখ্যা

ব্যাথা সম্বন্ধে অনেকের মনে অহেতৃক ভীতি আছে যার মাধ্যমে তারা একরকম ব্যাথার চক্রে জড়িয়ে থাকে। ব্যাথার সঠিক সংজা দিতে ও সঠিক ব্যায়ামের মাধ্যমে রোগীকে এই চক্র থেকে বার করে নিয়ে আসতে পারে, একজন ফিজিওথেরাপিন্ট।

ব্যায়াম চিকিৎসা সমস্ত নির্দেশিকা অন্তভুর্ক, দীর্ঘস্থায়ী ব্যাখার চিকিৎসার জন্য চিকিৎসা করুন আপনার শারীরিক চিকিৎসকে, যিনি একজন ব্যায়াম বিশেষজ্ঞ।





लम्बे समय का दर्द क्या है?

लम्बे समय का दर्दवो दर्द है जो तीन महीने से लम्बा रहता है। दर्द को इस तरह से कह सकते है जो की काफी सामान्य समय लेता है, जिसमे हमारे तथ्य सहायता करते है, उस दर्द को भरने में।



लम्बे समय का दर्द पुरे विश्व में बोझ बन कर हैं।



पुरे विश्व भर में कमर दर्द एक मुख्य कारण है, जो की काफी असुविद्या पैदा करता है, जितना की और कोई दर्द पैदा नहीं करता।

लम्बे समय के दर्द के कुछ मुख्य कारण







गर्दन से लेकर पीट के ऊपरी हिस्से का दर्द



रहूमटॉइड आर्यराइटिस



ऑस्टिओआर्थरिटिस



कंचे का दर्द



सिर दर्द



कैसर



फिवोम्यल्गिए:

दर्द के बारे में कुछ विशेष जानकारी

छोटे समय का दर्द: ये दर्द हमारे शरीर को एक सुवना देता है की हमारे प्रतत्यों को हानि पहुंची है या हमें अचानक समझ आता है जैसे शल्यविकित्सा, बच्चे को जन्म देते वक्त का दर्द, अस्यियोग, आधात।

लम्बे समय का दर्दः लम्बे समय का दर्द किसी भी प्रकार का कोई जीव उद्देश्य या फिर किसी भी तरह से आशंका तथ्य कोई बाति नहीं करता। लम्बे समय के दर्द को हम एक तरह से रोज रिययि भी कह सकते हैं जो की महीनो या फिर सार्तों तक रहता है।

दर्द रहता है और आभास भी करता है की हमारे शरीर को कुछ हानि पहुंची है, पर इस से हमारे तत्य को हानि नहीं पहुँचती हैं।

कि प्रकार से फिजिकल थेरेपी हमारी मदद करता है।

फिजिकल बेरेपी लोगों को लम्बे समय से जुड़े दर्द के बारे में जानकारी देता है और उनसे सम्मंदित परिस्थितियों को कैसे संमाले, उसके बारे में जानकारी देता है। जिस कार्य को करने में वे असमर्थ होते हैं, उसको बढ़ाने में मदद करता है और उनकी असामान्य जिन्दगी सामान्य वनता है और उनके जिन्दगी में सुधार लाता है।

लम्बे समय के दर्द से जुड़ी, व्याम के फायदे



नम्यता : शरीर के सामान्य चाल ढाल को बनाये रखता है।



मनोदशा:

ये हमारे मनोदशा और स्वस्थ्य को सामान्य रखता है।



ताकत : मांस पेसियो को वढ़ने में मदद करता है।



मनोदशा : ये हमारे मनोदशा और स्वस्थ्य को सामान्य रखता है।

व्याम विकित्सा हमें सही मार्ग दर्श दिखता है जो हमारे लम्बे समय के दर्द से जोड़ा होता है। सही जानकारी के लिए हम अपने फिजिकल थैरिपी से या फिर व्याम चिकित्सक से संपर्क कर सकते है।





www.wcpt.org

कीर्यसारी वज्ञश की ?

ত মাসের বেশী ব্যাথাকে দীর্ঘয়ীয় ব্যাথা বলা হয়। দীর্ঘন্তায়ী ব্যাথা একটা বিশ্বব্যাপী জনসাধারণের মূল সমস্যা বর্তমানে, পৃথিবীতে কোমরে ব্যাথা অক্ষমতার মূল কার্য।



সারা বিশ্ব জুড়ে দীর্ঘস্থায়ী ব্যাথা একটি বোঝায় পরিণত হয়েছে।



সারা বিশ্ব জুড়ে কোমরে ব্যাথা, অন্য ব্যাথার তুলনায় একটি বড় প্রতিবন্ধকতা সৃষ্টি করেছে।

দীর্ঘস্থায়ী ব্যাথার কারণ এবং অবস্থা :--



কোমরে ব্যথা



গিঠে ব্যথা



গেটে বাত



বাত

ব্যাখা সম্পর্কিত তথ্য :--

তীব্রকথা – অন্ধ্রপ্রচার, প্রসবস্থা, অস্থিভঙ্গ, আঘাত, কলাতদ্ধের ক্ষতির বিপদ সংকেত দেয়,

দীর্ঘস্থায়ী ব্যাধা - এই ব্যাধা কলাতন্ত্রের ক্ষতির সাথে সম্পর্কিত নয়, আসলে এটি একটি রোগের অবস্থা বোঝায় এবং এটি বছরের পর বছর থাকতে পারে।



कां(ध



শিডপীডা



কৰ্কট ব্যোগ



ফাইব্রোমালজিয়া

কলাকোষের ক্ষতি না হলেও আপনার শরীরের ক্ষতির আশঙ্কা সম্পর্কে অতিরিক্ত সংবেদনশীল হওয়ায় ব্যাথা বেশী অনুভূত হয়।

কিতাবে একজন ফিজিগবেরাপিস্ট আপনাকে সাহাষ্য করবে :-

একজন ফিজিওথেরাপিস্ট রোগীকে তার ব্যাথা নিয়ন্ত্রণে দক্ষ করে তোলে এবং বিভিন্ন ব্যায়ামের মাধ্যমে আপনার জীবনকে ব্যাথা মুক্ত করে তুলতে পারে।

দীর্ঘস্থায়ী ব্যাখা কমানোয় ব্যায়ামের বিভিন্ন উপকারীতা ঃ—



নমনীয়তা বৃদ্ধি করা।



শক্তি বৃদ্ধিতে সাহায্য করা এবং মাংসপেশীকে দঢ় করা।



হৃদে সংবহন : হৃদপিভের স্বাস্থ্য ভালো করা।



মানসিক স্থিতাবস্থা : এটি মানসিক স্থিতাবস্থার উপকার ও উন্নতি করে।

ব্যায়াম দীর্ঘস্থায়ী ব্যাখা উপশব্যের নির্দেশাবনী দেয় — এর জন্য ফিজিকান থেরাপিস্ট ও ব্যায়াম বিশেষঞ্চকে জিঞ্জেপ করুন।





World Confederation for Physical Therapy

www.wcpt.org

दर्द को कम करने के उपाय

फिजिकल थेरापिस्ट हमें यह बताता है कि आखिर दर्द कैसे हुआ, और हमें यह भी बताता है की उस दर्द से कैसे जुझना है। फिजिकल थेरेपिस्ट हमें दर्द कम करने के उपाय भी बताता हैं।

दर्द को समझना

- . जिन को दर्द के बारे में गलत जानकारी हैं वह उसे और भी ज्यादा बडा चडा कर बताते हैं
- कुछ लोग दर्द को सामान्य तरीके के लेता है और दूसरों को भी सही जानकारी देते हैं।
- जिन लोगों को मांसपेशियों में दर्द होता हैं, वह अपने शरीर को बहुत कमजोर समझने लगते हैं।
- जो दर्द को हल्के में या मजाक में लेते हैं आगे जा कर यह दर्द और भी खतरनाक हो जाता हैं।

दर्द को समझना और नियन्त्रण में रखना



फिजिकल थेरेपिस्ट आपको समझने में मदद करता है की एक छोटा सा दर्द जिससे किसी घातक या लम्बे समय के दर्द में परिवर्तित ना हो।

फिजिकल थेरेपिस्ट आपके मन से दर्द से जुड़ी भय हठाते है, आपके मनोवल को वढ़ाता हैं जिससे आप एक सुखी और दर्दहीन जीवन व्यतीत कर सकते हैं।



एक्सरसाइज थेरेपी ऐसा चिकित्सा है जो पुराने दर्द को कम करने में मदत करता है। और ज्यादा जानने के लिए अपने फिजिकल चिकित्सक से पूछें।





www.wcpt.org

ব্যাথা নিয়ন্ত্রনের উপায় ?

শারীরিক চিকিৎসক বিভিন্ন পদ্ধতি অবলম্বন করে ব্যাথা নিয়ন্ত্রন, সমস্ত সমস্যার সমাধান করে, পদার্পন ক্রিয়াকলাপ, ঘূমের স্বাস্থ্যবিধি এবং আরামদায়ক পদ্ধতি অবলম্বনের মাধ্যমে কাজ করে।

বোঝা এবং নিয়ন্ত্রণ করা ঃ—

সমস্ত জীবনযাপনের উপাদান**ও**লি মৃল্যবান যেমন - বায়াম, অল আহার, ঘুম। ত ক্রিয়াক witer . আমি আমার মকাটাই আসল। শরীরের ওপর বিশ্বাস রাখতে পারি। যদি এটা ব্যাখা দেয় শ্বীর আলগা ককন निःशांत्र निन এवः হাঁটাচলা আমার শরীরকে শক্তিশালী এবং স্বাস্থ্যবান বানায়। এটা নিরাপদ ঝকতে এবং যদি আমার ব্যাথা ছড়ার, আমার শারীরিক চিকিৎসক আমাকে বিভিন্ন জিনিস দেয়, যা আমার ব্যাথাকে নিয়ন্ত্রণ করে আমাৰ ব্যাখা আৰু আমাকে নিয়ন্ত্রণ করতে পারে না -য়মি সাধারণ জীবনযাপনে আবাব ফিবে এসেছি।

वराशात वराशा :-

- ক। ব্যাথার ব্যাথা সম্পর্কে নেতিবাচক বিশাসযুক্ত লোকেরা উচ্চমাত্রায় ব্যাথার তীব্রতা এবং অক্ষমতা জানান।
- খ। ব্যাথার প্রকৃত বিশ্বাস সম্পর্কে মানুষের মনোভাব এমন রয়েছে
 যেটা ব্যাথা সম্পর্কে তাদের সঠিক ধারনাকে প্রভাবিত করে।
- গ। যখন মানুষের পেশির ব্যাধা হয় তখন তারা তাদের শরীরকে ভদুর
 বা ঝুঁকিপুর্ণ কাঠামো হিসাবে মনে করে যা তাড়াতাড়ি আহত হয়।
- য। মানুষ যারা তাদের ব্যথাকে পরিকাঠামোগত কারণ হিসাবে খনে করে তাদের অক্ষমতা খুবই উচ্চন্তরের এবং তাদের আরোগা হাওয়ার সম্ভাবনা খুবই কম।

শারীরিক চিকিৎসকরা আপনাকে বুঝতে সাহায্য করবে যে, ব্যাথা কিবাবে তৈরী হয় যা ক্ষণহায়ী থেকে খুব সহজেই দীর্ঘহায়ী ব্যাথায় রুপান্তরিত হয়।

তারা আপনাকে সাহায্য করবে ব্যাথার ভয় কমাতে এবং শিষিয়ে দেবে দীর্ঘস্থায়ী পদ্ধতি যা আপনার আগ্ববিশ্বাস তৈরী করবে এবং আপনাকে সঠিক জীবনযাপন করতে সহায়তা করবে।



ব্যায়াম চিকিৎসা সমস্ত নির্দেশিকা অন্তভুর্ক্ত, দীর্ঘস্থায়ী ব্যাথার চিকিৎসার জন্য চিকিৎসা করুন আপনার শারীরিক চিকিৎসকে, যিনি একজন ব্যায়াম বিশেষজ্ঞ।





www.wcpt.org

Shabram Agasa D

Dr Shabnam Agarwal, PhD

Director-Education

Nopany Group of Institutions Tel +91 33 25332869

E.mail info@nihs.ac.in; shabagar@gmail.com

Namuelle Barak.

Dr Tanusree Basak (PT) Associate Professor

Nopany Institute of Healthcare studies

E mail: tanubasak80@gmail.com

Tapes Kumar Pal.

Dr . Tapas Kumar Pal (PT) Assistant Professor

Nopany Institute of Healthcare studies

E mail: physiotapas@gamail.com

Dr . Anwesh Pradhan (PT)

Assistant Professor

Nopany Institute of Healthcare studies

E mail: anwesh0907@gmail.com